

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रों (श्री सिकन्दर बस्त) : (क) 27 पुनर्वास कालोनियों का एक विवरण संलग्न है।

(ख) पड़पड़गंज काम्पलेक्स (कल्याणपुरी, खिचड़ीपुर और त्रिलोकपुरी), सुल्तानपुरी और गोकुलपुरी की पुनर्वास कालोनियों को छोड़कर, जो कि कृषि के लिए निर्धारित हरित क्षेत्र में पड़ती हैं ये कालोनियां मास्टर प्लान के रिहायशी, क्षेत्र के अन्तर्गत थीं।

(ग) अभी नहीं।

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

नई पुनर्वास कालोनियां

क्रम संख्या	कालोनियों के नाम
-------------	------------------

1. दक्षिणपुरी-I
2. दक्षिणपुरी-II
3. दक्षिणपुरी-III
4. वैस्ट आफ खानपुर
5. चौखण्डी
6. खयाला-I
7. खयाला-II
8. खयाला-III
9. गोकुलपुर
10. नांगलोई -4
11. न्यू सीमापुरी
12. शकूरपुर फेज I
13. शकूरपुर फेज-II
14. शकूरपुर फेज -III

क्रम सं०	कालोनियों के नाम
----------	------------------

15. शकूरपुर फेज -IV
16. नन्द नगरी फेज-I
17. नन्द नगरी फेज-II
18. खिचड़ीपुर
19. कल्याणपुरी
20. त्रिलोकपुरी
21. मंगोलपुर फेज-I
22. मंगोलपुर फेज-II
23. मंगोल पुर फेज -III
24. दक्षिणपुरी एक्सटेशन
25. सुलतान पुरी
26. हिम्मत पुरी
27. जहागीर पुरी

**F.C.I.'s Overflooded Godowns in Bombay**

24. SHRIMATI MRINAL GORE: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether a number of godowns owned by the Food Corporation in Bombay have been overflooded and a large number of wheat bags are lying in open;

(b) if so, the number of such bags; and

(c) the steps taken to prevent further deterioration of wheat bags?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PARKASH SINGH BADAL): (a) to (c). No Food Corporation of India godown in greater Bombay has been flooded. However, a large number of wheat bags are stored in the open due to paucity of

covered storage accommodation. At present 6,69,557 bags of wheat are stored in open on wooden crates covered with polythene covers and properly lashed with nylon ropes. Adequate steps are being taken for proper maintenance of stocks.

**भूतपूर्व प्रधान मंत्री को आवास**

25. श्री ब्रजसूषण तिवारी : क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भूतपूर्व प्रधान मंत्री के लिये दिल्ली में आवास की क्या व्यवस्था की गई है ;

(ख) क्या भूतपूर्व प्रधान मंत्री के महरोलो स्थित फार्म में वातानुकूलित मकान निर्मित किया जा रहा है ; और

(ग) क्या सरकार ने उक्त मकान को बनाने के लिये कोई अनुदान दिया है; यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं ?

**निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बल्ल) :**

(क) भूतपूर्व प्रधान मंत्री को बंगला नं० 12, बिलिंगडन क्रीसेन्ट दिया गया है । उन्हें यह बंगला विभागीय प्रभार सहित मूल नियम 45-बी (2,824 रुपये प्रति भास) पर दिया गया है ।

(ख) सरकार को कोई ऐसी सूचना नहीं है ।

(ग) उपर्युक्त (ख) के उत्तर को देखते हुए, इस का प्रश्न ही नहीं उठता ।

#### **Food Policy**

26. SHRI M. N. GOVINDAN NAIR: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether new food policy has affected the prices of wheat;

(b) if so, the brief account thereof;

(c) whether the new food policy has affected the procurement of food-grains too; and

(d) if so, the facts thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PARKASH SINGH BADAL): (a) to (d). Government have decided to purchase all wheat of fair average quality offered for sale by the farmers at the price of Rs 110/- per quintal fixed for all varieties. Zonal restrictions on movement of wheat have been removed to enable the agriculturist to get even a higher price for his produce and to ensure better open market availability in the deficit states. Since the procurement this year will largely be by way of support only, the total procurement may be less than last year's. However, in view of the comfortable stock position of foodgrains with the Government and easy market availability, the demands of the public distribution system will be fully met and thus the open market prices would be kept under check.

**गन्ने के मूल्यों में वृद्धि करने की मांग**

27. डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : क्या कृषि तथा सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गन्ना उत्पादकों ने रासायनिक उर्वरकों के मूल्यों, बिजली की दरों, विभिन्न कृषि उपकरणों के मूल्यों और मजदूरी की दरों में वृद्धि करने की मांग की है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है; और

(ग) सरकार ने गन्ने का मूल्य निर्धारित करने के लिये क्या सामान्य कसौटी अपनाई है ?